

**:: Press Release ::****SECL PRODUCES 150.545 MT OF COAL DURING FY 2019-20**  
**REMAINS THE LARGEST COAL PRODUCING SUBSIDIARY OF COAL INDIA LIMITED**

SECL retains its position as the single largest coal producing company in India. During FY 2019-20, SECL produced 150.545 Million Tonnes of Coal, thus making it the largest Coal producer amongst all subsidiaries of Coal India Limited.

India is going through difficult times due to Covid 19. The country is under lockdown. In these tough times also, SECL miners had been relentlessly working to meet coal requirements of the Nation. Precautions are being taken but top priority was always 'The Nation.' It was this feeling in each Coal Miner that led to whole hearted contribution from each one. The dedication of our Miners is now overtly evident in the annual figures of coal production.

Under the able leadership and guidance of SECL CMD, Shri. A. P. Panda, the company has contributed 25% to the total Coal production of Coal India Limited. CIL during financial year 2019-20 has produced 602.14 MT of coal, out of which SECL contributed 150.545 Million Tonnes. The second largest coal producing subsidiary of CIL is over 10 MT behind and the third is over 42 MT behind SECL. The production rally continued all year through in SECL and it crossed 150 MT coal production mark, the second time. SECL has crossed this benchmark of 150 MT coal production consecutively during last two financial years. No other subsidiary of CIL has been able to achieve this benchmark.

Several coal production records were created and broken during this rally. The most remarkable being the Largest Single Day coal Production on 27.03.2020. SECL produced 1 Million Ton of Coal on this single day. This was unprecedented and was never achieved by any single Coal company ever. Towards the end of financial year, the production spree continued like never before and crossed 9 lakh Tonnes of single day coal production on 26<sup>th</sup> and 31<sup>st</sup> March. Likewise, SECL crossed 8 lakh Tonnes single day coal production on 23<sup>rd</sup>, 20<sup>th</sup>, 19<sup>th</sup>, 18<sup>th</sup> of March 2020. These single day coal production peaks immensely added to the pinnacle that SECL today stands on.

Various Areas of SECL have also fared well during this period significantly adding up to the total tally. Gevra Area produced a total of 45 MT during this year and met its annual target. Kusmunda Area produced 42.331 MT of coal and crossed its annual target. Other areas have also made significant contribution.

SECL has been a responsible PSU. It has not only been The Best in coal mining but also has been a huge support for its neighboring areas and the people residing therein. Recently, as a positive step to combat Covid 19, SECL has contributed 1.75 Crore Rupees i.e., Rs. 25 lakhs each to Bilapsur, Korba, Anuppur, Surajpur, Balrampur Ramanujanj, Umaria and Shahdol District administration. The financial support would strengthen battle against Covid 19 in respective districts. To tackle any untoward situation arising out of Covid 19, SECL has made total of 132 Quarantine/Isolation beds available at Shahdol, Anuppur, Korea, Umaria, Surajpur and Korea. SECL took to Sanitization of offices & townships, social distancing and work with minimum workforce, wherever possible. Even during the days of complete Lockdown, Coal Production being an essential service, SECL continued working. The hard work seems to have delivered.

Today, SECL is again the Nation's Single Largest Coal Company!

Shri. A. P. Panda, CMD, SECL congratulating Team-SECL and all its stake holders, attributed SECL's achievement to its culture of hard work, team spirit, commitment and ability of the organization to stick to job even during difficult times.



**वित्तीय वर्ष 2019-20 में एसईसीएल ने किया 150.545 मिलियन टन कोयला उत्पादन**  
**बरकरार रखा कोलइण्डिया की सर्वाधिक कोयला उत्पादक कम्पनी होने का गौरव**

फिर एक बार एसईसीएल ने एकल रूप में सर्वाधिक कोयला उत्पादन कम्पनी होने का गौरव कायम रखा है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में एसईसीएल ने 150.545 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया। यह कोलइण्डिया के सभी अनुषंगी कम्पनियों में से सर्वाधिक है।

कोविड-19 की वजह से देश में पूर्ण लाकडाऊन है। ऐसे परिस्थितियों में भी एसईसीएल खनिक निरंतर कोयला उत्पादन की प्रक्रिया में लगे रहे, ताकि देश के कोयला आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके। सावधानियों बरती गयी पर हमेशा ही राष्ट्र सबकी प्राथमिकता थी। उनकी यह लगन आज कोयला उत्पादन के वार्षिक आँकड़ों में परिलक्षित होती है।

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री ए.पी. पण्डा के कुशल नेतृत्व में कोलइण्डिया के कुल उत्पादन में एसईसीएल का महत्वपूर्ण 25 प्रतिशत सहयोग रहा। वित्तीय वर्ष 2019-20 में कोलइण्डिया ने 602.14 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया जिसमें से एसईसीएल ने 150.545 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया है। कोलइण्डिया की दूसरी सर्वाधिक कोयला उत्पादक कम्पनी एसईसीएल से 10 मिलियन टन पीछे है एवं तीसरी सर्वाधिक कोयला उत्पादक कम्पनी 42 मिलियन टन पीछे है। कोयला उत्पादन की यह श्रृंखला वर्ष भर पूरी तेजी से चलती रही और एसईसीएल ने दूसरी बार 150 मिलियन टन कोयला उत्पादन के आँकड़े को पार किया। एसईसीएल ने यह लगातार दूसरी बार 2 वित्तीय वर्षों में हासिल किया है। आज तक कोलइण्डिया की किसी भी अनुषंगी कम्पनी द्वारा यह मापदंड हासिल नहीं किया गया है।

इस दौरान एसईसीएल द्वारा कई कोयला उत्पादन के रिकार्ड बनाए एवं तोड़े गए। विशेषतया दिनांक 27.03.2020 को एसईसीएल द्वारा एक मिलियन टन कोयला उत्पादन किया गया। वित्तीय वर्ष के अंत में कोयला उत्पादन अपने चरम पर रहा। एसईसीएल ने दिनांक 26 व 31 मार्च को 9 लाख टन से अधिक एक दिवसीय कोयला उत्पादन किया। इसी प्रकार दिनांक 18, 19, 20 एवं 23 मार्च को 8 लाख टन से अधिक एक दिवसीय कोयला उत्पादन किया।

एसईसीएल के कोयला उत्पादन में सभी क्षेत्रों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। गेवरा क्षेत्र ने इस वर्ष 45 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया जो इस क्षेत्र का अब तक का सर्वाधिक कोयला उत्पादन है, वहीं कुसमुण्डा क्षेत्र द्वारा 42.331 मिलियन टन कोयला उत्पादन करते हुए क्षेत्र के वार्षिक उत्पादन लक्ष्य को पार किया।

एसईसीएल हमेशा ही जिम्मेदार सार्वजनिक उपक्रम रहा है। एसईसीएल न केवल कोयला उत्पादन में सर्वोत्कृष्ट है बल्कि अपने आसपास के क्षेत्रों और उसमें रहने वाले लोगों का भी ध्यान रखता है। हाल ही में एसईसीएल ने सकारात्मक कदम उठाते हुए कोविड-19 के उन्मूलन हेतु 1.75 करोड़ रुपये का सहयोग किया। यह सहयोग जिला- कोरबा, अनूपपुर, सूरजपुर, बलरामपुर, उमरिया, शहडोल एवं बिलासपुर में प्रत्येक जिला प्रशासन को 25 लाख रुपये का दिया गया है। इस सहयोग से निश्चय ही कोविड-19 के उन्मूलन में आमजनों को सहायता मिलेगी। कोविड-19 से संक्रमित होने वाले मरीजों की देखभाल के लिए एसईसीएल ने 132 क्वारंटाईन/आइसोलेशन बेड्स शहडोल, अनूपपुर, कोरिया, अमलाई, सूरजपुर, कोरबा में तैयार किया है। एसईसीएल ने अपने कार्यालय एवं कॉलोणियों को सेनेटाईज़ किया, सामाजिक दूरी एवं कम से कम श्रमशक्ति के साथ कार्य करने पर जोर दिया। पूरे लाकडाऊन की स्थिति में भी कोयला उत्पादन आवश्यक सेवा होने के कारण एसईसीएल के श्रमवीर कार्यरत रहे। यह मेहनत आज परिलक्षित होती है जब पुनः एक बार फिर एसईसीएल देश की एकल रूप में सर्वाधिक कोयला उत्पादक कम्पनी बनी है।

एसईसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री ए.पी. पण्डा ने इस गौरवमयी ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय टीम एसईसीएल, प्रत्येक अधिकारियों-कर्मचारियों, श्रमसंघ प्रतिनिधियों, सभी अंशधारकों, शासन-प्रशासन को दिया है। उन्होंने कहा कि यह एसईसीएल की उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति, टीम-भावना, लगन एवं विपरीत परिस्थितियों में भी अपना कार्य सम्पादन करने की क्षमता से ही संभव हो पाया है। उन्होंने सभीजनों को बधाई प्रेषित की है।

जनसंपर्क विभाग  
एसईसीएल बिलासपुर